विचार बिन्दु

गरीबी दैवीय अभिशाप नहीं, मानवीय सृष्टि है। –महात्मा गाँधी

गरीबी से बड़ा कोई अभिशाप नहीं, और इससे मुक्ति दिलाने में शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण से बेहतर कोई उपाय नहीं

मेरा जीवन एक साधारण गाँव में शुरू हुआ, जहाँ अकूत गरीबी थी। मेरे पिता प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे और मैं प्राय: उनको इस संघर्ष में देखता था कि कैसे वे एक ओर अपने विद्यार्थियों को आगे बढने के लिए प्रेरित करते थे और दूसरी ओर सरकारी अफसरों और नेताओं से हाथ जोड़कर अपने पदस्थापन स्थान के विकास के लिए याचना करते थे। मैंने तब इस बात को स्वयं जिया कि कैसे गरीबी न केवल जीवन की गुणवत्ता को कम करती है, बल्कि यह व्यक्ति की आत्मा को भी छलनी कर देती है। इस अभिशाप से मुक्ति पाने की छटपटाहट में मैंने शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण के महत्व को आत्मसात और क्रियान्वित किया।

शिक्षा ने मेरे लिए विश्व के बंद दरवाजे खोले। शिक्षा मेरे लिए ज्ञान की वह रोशनी लेकर आई, जिसने मुझे अपनी स्थितियों को समझने और उन्हें बदलने की रणनीति और शक्ति दी। स्वास्थ्य ने मुझे यह सिखाया कि एक स्वस्थ शरीर में ही एक स्वस्थ और निर्मल मन निवास करता है, और यही निर्मल मन व्यक्ति के समग्र कल्याण का बीज है। शांति ने मुझे आंतरिक संतुलन और सामंजस्य के चमत्कारी प्रभाव को समझाया, जो हमारे भीतर सहयोग और सद्भावना को बढ़ाता है। हमारे आसपास का पर्यावरण और उसको बेहतर रखने के प्रति सचेत रहने से मुझे यह समझ पाना सुलभ हुआ कि प्राकृतिक संसाधन हमारे जीवन केमूल आधार हैं, और इनकी सुरक्षा करना हमारी असल में हमारी अपनी भलाई के लिए अनिवार्य है।

इस प्रकार, मेरी कहानी आपको यह सिखा सकती है कि गरीबी से लड़ने और विजय पाने हेतु शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति, और पर्यावरण को साथ लेकर चलना होगा। ये चारों स्तंभ व्यक्तिगत जीवन के साथ ही समग्र समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। जब हम इन स्तंभों को सशक्त बनाते हैं, तो हम न केवल गरीबी के विरुद्ध एक प्रबल लड़ाई लड़ सकते हैं, बल्कि एक ऐसे समाज की नींव रख सकते हैं जो अधिक समृद्ध, स्वस्थ, और शांतिपूर्ण हो।

अपनी जीवन यात्रा में मैंने यह भी सीखा कि जब समाज एक साथ मिलकर काम करता है, तो बदलाव लाना तुलनात्मक रूप से शीघ्रतापूर्वक संभव हो पाता है। शिक्षा के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाना, स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाना, शांति की दिशा में काम करना, और पर्यावरण की रक्षा करना–ये सभी कार्य तब और अधिक प्रभावी होते हैं जब हम सभी इसमें साझा प्रयत्न करते हैं। मेरी कहानी यह भी दर्शाती है कि गरीबी एक बड़ी चुनौती है, लेकिन इसे पराजित करने के लिए हमारे पास शक्तिशाली रणनीतियाँ उपलब्ध हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति, और पर्यावरण के माध्यम से हम व्यक्तिगत जीवन को बेहतर बना सकते हैं, और साथ ही पूरे समाज और राष्ट्र को भी उन्नति की ओर ले जा सकते हैं। इस दिशा में मिलजुल कर किया गया कार्य एक ऐसे भविष्य की ओर ले जा सकता है जहाँ गरीबी मात्र इतिहास का हिस्सा बन कर रह जाए।

शिक्षा का महत्व तो जगजाहिर है। यह व्यक्ति को न केवल ज्ञान प्रदान करती है, बल्कि उसे आत्मनिर्भर बनाने में भी सहायक होती है। एक अनपढ़ व्यक्ति जो अपने अधिकारों से अनभिज्ञ होता है, उसे प्राय: शोषण का सामना करना पड़ता है। जब वही व्यक्ति शिक्षित हो जाता है, तो वह न केवल अपने अधिकारों की रक्षा कर सकता है, बल्कि अपने जीवन की बेहतरी हेतु सही निर्णय ले सकता है। उदाहरण के लिए, एक छोटे गाँव की एक युवती जिसने शिक्षा प्राप्त की और अपने गाँव में एक स्कूल खोला, उसने अपना जीवन तो बदला ही साथ ही अपने गाँव के बच्चों को भी शिक्षित करने का मार्ग प्रशस्त किया।

शिक्षा के साथ ही स्वास्थ्य भी गरीबी से मुक्ति का एक अनिवार्य साधन है। बीमारियों से मुक्त एक स्वस्थ व्यक्ति अपने कार्य में अधिक सक्षम होता है और तुलनात्मक रूप से अधिक आय अर्जित कर सकता है। इसके उलट, एक बीमार व्यक्ति अपनी क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं कर सकता, जिससे उसकी आर्थिक स्थिति दुष्प्रभावित होती है। स्वास्थ्य सेवाओं का सुलभ होना और उनकी गुणवत्ता दोनों ही महत्वपूर्ण है। एक स्वस्थ समाज ही एक समृद्ध और सुखी समाज की नींव रख सकता है। एक छोटे गाँव में, जहाँ पहले स्वास्थ्य सेवाएं नहीं थीं, वहाँ एक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना से न केवल बीमारियों का बेहतर प्रबंधन हुआ, बल्कि लोगों की जीवन गुणवत्ता में भी सुधार हुआ।

शिक्षा के साथ ही स्वास्थ्य भी गरीबी से मुक्ति का एक अनिवार्य साधन है। बीमारियों से मुक्त एक स्वस्थ व्यक्ति अपने कार्य में अधिक सक्षम होता है और तुलनात्मक रूप से अधिक आय अर्जित कर सकता है। इसके उलट, एक बीमार व्यक्ति अपनी क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं कर सकता, जिससे उसकी आर्थिक स्थिति दुष्प्रभावित होती है।

शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ ही शांति भी गरीबी से मुक्ति का एक अनिवार्य घटक है। एक शांतिपूर्ण समाज में, व्यक्तियों, परिवारों और समाज को अपनी क्षमताओं को विकसित करने और आर्थिक अवसरों का लाभ उठाने के बेहतर अवसर प्राप्त होता है। जिस समाज में हिंसा और अशांति होती है उसमें सतत विकास की संभावनाएं घट जाती हैं और गरीबी बढ़ती जाती है। फलत:, शांति को बढ़ावा देना और आपसी संघर्षों को कम करना गरीबी से मुक्ति के लिए अनिवार्य है।

गरीबी को मिटाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, और शांति के साथ-साथ पर्यावरण का संरक्षण भी अत्यंत आवश्यक है। पर्यावरणीय स्थिरता से हमारे संसाधन सुरक्षित रहते हैं, जो कि सतत आर्थिक, सामाजिक और पारिस्थितिकीय विकास और लोगों के कल्याण में मौलिक भूमिका निभाते हैं। जब पर्यावरण संरक्षित होता है, तो यह खाद्य सुरक्षा में योगदान देता है, प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करता है, और स्वच्छ जल, वायु और मृदाप्रदान करता है। इस प्रकार, पर्यावरणीय स्थिरता प्राकृतिक पारिस्थितिकीय तंत्रों के साथ ही मानव समाज के स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिरता के लिए भी अनिवार्य है। इसलिए गरीबी उन्मूलन की हमारी रणनीतियों में पर्यावरणीय संरक्षण को भी प्रमुख स्थान देना चाहिए। प्राकृतिक जलवायु समाधान जिसमें कार्बन पृथक्करण और संचय, जैव-विविधता का संरक्षण, और आजीविका में सुधार शामिल हैं, एक ऐसा रास्ता देते हैं जो गरीबी उन्मूलन के लिए आवश्यक संसाधनों का सुदृढीकरण भी करते हैं।

इन चारों स्तंभों – शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण – को सुदृढ़ करने से ही गरीबी के चक्र को तोड़ा जा सकता है और एक समृद्ध समाज की नींव रखी जा सकती है। इसके लिए आवश्यक है कि सरकारें और समाज के सभी वर्ग इन क्षेत्रों में प्राथमिकता से निवेश करें। इन मूलभूत कारकों को सम्हाली बिना गरीबी के विरुद्ध एक प्रभावी और निर्णायक लड़ाई नहीं लड़ी जा सकती।

यदि एक देश अपने बच्चों और नागरिकों को उच्चकोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरणीय सुरक्षा, और शांतिपूर्ण जीवन नहीं दे सकता, तो वास्तव में उसके पास देने के लिए और क्या बचता है? ये सभी तत्व न केवल एक समृद्ध समाज की नींव हैं, बल्कि ये हर व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण हैं। एक व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र के रूप में हमारी प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि हम इन मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करें और अपने नागरिकों को एक सुरक्षित, स्वस्थ, और शिक्षित भविष्य प्रदान करें।

इसी विश्वास के साथ हम एक श्रृंखलाबद्ध विश्लेषण प्रारम्भ कर रहे हैं कि यह ज्ञान व्यक्तियों, परिवारों समाज और सरकारों को गरीबी उन्मूलन के लिए एक नवाचारी और प्रमाण-आधारित दिशा प्रदान करेगा। यदि हमारा देश अपने नागरिकों को उच्चकोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरणीय सुरक्षा और शांतिपूर्ण जीवन प्रदान करने में सफल होता है, तो यह व्यक्तिगत जीवन की गुणवत्ता को तो बढ़ाएगा ही साथ ही समाज के समग्र विकास को भी सुनिश्चित करेगा। इन मूलभूत कारकों को ध्यान रखकर तय की गई प्राथमिकता ही वह आधार है जिस पर एक समृद्ध राष्ट्र का निर्माण होता है।

इस विश्लेषण में हम आने वाले समय में यह स्पष्ट करेंगे कि कैसे शिक्षा नागरिकों को नई तकनीकें और विचार सीखने में मदद कर सकती है, स्वास्थ्य सेवाएं कैसे उन्हें अधिक उत्पादक बना सकती हैं, पर्यावरणीय संरक्षण कैसे संसाधनों की रक्षा कर सकता है, और शांति कैसे हमारे समाज को अधिक सहयोगी और सद्भावपूर्ण बना सकती है। हम उम्मीद करते हैं कि इस विश्लेषण के माध्यम से प्राप्त निष्कर्ष समाज और सरकारों को इन क्षेत्रों में नीतियाँ और कार्यक्रम विकसित करने के लिए प्रेरित करेंगे, जिससे गरीबी कम होने के साथ ही देश की समग्र प्रगति भी सुनिश्चित होगी।

हम इस श्रृंखलाबद्ध विश्लेषण को इस आशा और विश्वास के साथ प्रस्तुत कर रहे हैं कि यह ज्ञान, गरीबी को मिटाने के लिए समाज और सरकारों को एक नई दिशा देगा। जब एक देश अपने बच्चों और नागरिकों को उच्चकोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरणीय सुरक्षा, और शांतिपूर्ण जीवन प्रदान करने में सफल होता है, तो यह न केवल व्यक्तिगत जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाता है बल्कि समाज के समग्र विकास को भी सुनिश्चित करता है। ये सभी तत्व एक समृद्ध समाज की नींव हैं और हर व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण हैं। इससे न केवल हमारे देश की समग्र उन्नति सुनिश्चित होगी, बल्कि यह हमारे नागरिकों को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी और सक्षम बनाने में भी मदद करेगा। यह आवश्यक है कि हम शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, और शांति के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा दें और इन्हें अपनी राष्ट्रीय नीतियों का केंद्र बिंदु बनाएं। इस प्रकार, हम एक ऐसे भविष्य की ओर अग्रसर होंगे जहाँ हर नागरिक के पास अपनी पूर्ण क्षमता को प्राप्त करने का अवसर होगा।

हम इस बात को समझते हैं कि गरीबी एक जटिल समस्या है जिसका समाधान एक क्षेत्र में कार्य करने से नहीं, अपितु एक समन्वित और समग्र दृष्टिकोण से ही हो सकता है। इसलिए हमारी श्रृंखला विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के विचारों और अनुभवों को साझा करेगी, और शोध-आधारित विचारों को आगे लायेगी, जिससे नवाचार और सुधार के लिए प्रेरणा मिल सके। अंत में, हम आशा करते हैं कि यह श्रृंखला न केवल जागरूकता बढ़ाएगी बल्कि समाज और सरकारों को उन नीतियों और कार्यक्रमों को अपनाने के लिए प्रेरित करेगी जो वास्तव में गरीबी को कम करने और हमारे देश को एक समृद्ध भविष्य की ओर ले जाने में सहायक होंगे।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

गुढ़ा में जल जीवन मिशन योजना के तहत टंकियों का निर्माण कार्य अधूरा

सांभरझील, (निसं)। निकटवर्ती जाब्दीनगर व गुढ़ासाल्ट में जल जीवन मिशन योजना के तहत बनाई गई पेयजल टंकियां लंबे समय से शॉ-पीस बनी हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार करोड़ों रूपए खर्च करने के बावजूद भी पानी की सप्लाई घरों तक नहीं पहुंच पाई। इस लचर सिस्टम के चलते गर्मी के सीजन में भी लोगों के कंठ तर नहीं हो पा रहे हैं। नहर का मीठा पानी पीने के लिए ग्रामीणों को आज भी इंतजार करना पड रहा है। ग्रामीण बताते हैं कि हर घर नल कनेक्शन योजना के तहत पुरानी लाईन को तो हटा दिया गया लेकिन अभी तक नई लाईन नहीं डालने से काम अटका पड़ा है।

टंकी निर्माण और हर घर जल योजना को अभी साकार होने में कितना वक्त लगेगा इस बारे में कोई स्पष्ट संकेत नहीं मिल रहे हैं। दूसरी ओर लोगों का कहना है कि प्यास बुझाने के लिए चार सौ रूपए टैंकर मंगवाकर आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है। इतना पैसा खर्च करने के बावजूद भी तीन दिन पहले बुकिंग करानी पड़ती है तब जाकर टैंकर घरों तक पहुंचता है। कुएं, नलकूप आदि का जलस्तर इतना नीचे चला गया है कि पेयजल की समस्या लगातार और बढ़ती जा रही है। यहां तक की कुओं का पानी भी खारा हो गया है। फ्लोराइड युक्त पानी पीने की मजबूरी हो गई है। लोगों को हाथ पैरों में दर्द रहने लगा है। संक्रामक बीमारियों खतरा हो सकता है। ठाामीण बताते हैं कि पीने योग्य पानी नहीं होने के बावजूद ऐसे पानी का इस्तेमाल करने से एसिडिटी, गैस, अपच आदि बीमारियां बढ़ ने लगी है।

गुढ़ा में टंकी निर्माण कार्य लंबे समय से अटका पड़ा है।

■ पेयजल योजना के इंतजार में ग्रामीणों की आंखें पथराई

मीठे पानी की आस में लोगों ने लगभग दो वर्ष पहले ग्राम पंचायत में एक हजार तीन सौ रूपए की राशि का नगद भुगतान कर दिया था लेकिन कोई हल नहीं निकल सका है। जाब्दीनगर में टंकी की सीढियां नहीं बन सकी तो वहीं गुढासाल्ट में अभी फाउण्डेशन और पिलर ही खड़े हो सके हैं। बता दें कि योजना को मूर्त रूप देने के लिए पानी के स्टॉक और सप्लाई के लिए टेंक ही नहीं बने हैं। गुढ़ा में लगभग एक साल से काम बंद पड़ा है।

इधर, सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार विभाग की ओर से इतने दिनों में संवेदक को नोटिस भी जारी किया गया लेकिन कभी लेबर दूसरी जगह काम कर रही है, तो कही पर्याप्त कार्मिक नहीं होने या मौसम प्रतिकूल बढ़कर फर्म काम नहीं करने की बात कह कर रही है। गौरतलब है कि टंकी परियोजना तथा कई निर्माण कार्यों की लागत, दिनांक आदि का ब्यौरा तथा संबधित बोर्ड आदि की सूचना चस्पा नहीं की गई जिस वजह से निर्माण कार्य के प्रारंभ व समाप्ति की तारीख कब होगी कोई जानकारी नही है। इस बारे में कर सहायक अभियंता बच्चू सिंह का कहना है कि फर्म काम नहीं कर रहीं है, वर्तमान संवेदक कार्य करेगा या नहीं इसकी जानकारी उच्चाधिकारयों को जयपुर भेजी हुई हैं। टंकी निर्माण कार्य बहुत जल्द शुरू कराने की कोशिश हमारे स्तर से की जाएगी।

सिमारा गांव में चीता के आने से दहशत फैली

चीता को पकड़कर वापस मध्यप्रदेश के जंगलों में पहुंचाया

करौली, (निसं)। करणपुर के सिमारा गांव में शनिवार प्रात: एक चीता के घुसने से क्षेत्र में दहशत फैल गई। सूचना पर वन विभाग और पुलिस की टीम सिमारा गांव पहुंची। वन विभाग और पुलिस ने कड़ी मशक्त करते हुए देर शाम चीता को ट्रैंकूलाईज कर वापस मध्य प्रदेश के जंगलों में भेजा।

चीता के मध्य प्रदेश स्थित कूनो सफारी पार्क से करौली पहुंचने की सूचना मिली थी वन विभाग के अधिकारियों का कहना था कि चीता को पकड़कर वापस कूनो पहुंचाया गया है। सिमारा गांव निवासी केदार मीणा ने बताया कि प्रात: जब कुछ ग्रामीण खेतों पर जा रहे थे तो उन्होंने एक जंगली जानवर को देखा। जंगली जानवर को देखकर वो डरकर वापस गांव में आ गए और अन्य ग्रामीणों को भी जानकारी। इसके बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने वन विभाग और पुलिस को भी जंगली जानवर के क्षेत्र में आने की सूचना दी। सूचना पर वन विभाग करौली और मध्य प्रदेश की टीम तथा पुलिस दल भी सिमरा गांव पहुंचा पुलिस ग्रामीणों को चीता से पर्याप्त दूरी बनाए रखने में दिन भर जुटी रही। वहीं देर शाम वन विभाग की टीम ने चीता को ट्रेंकुलाइज कर वापस कूनो पहुंचाया है। करौली वाइल्डलाइफ उपवन संरक्षक पीयूष शर्मा ने बताया कि किसी जानवर के सिमारा गांव में पहुंचने की सूचना मिली थी। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची जानवर की पहचान नर चीता के रूप में हुई।

करौली के निकट सिमारा गांव में आये चीता को टेकूलाईज कर वापस मध्य प्रदेश भेजा।

कैचमेन्ट एरिया में अतिक्रमण से पानी की आवक में आई कमी

जैसलमेर, (नि.सं.)। पाकिस्तान भारत एक था उसी दौरान जैसलमेर रियासत में अपना व्यवसाय चलाने वाले माहेश्वरी डांगरा परिवार बद्रीप्रसाद, नन्दकिशोर और अचलदास डांगरा के पूर्वजों द्वारा 209 वर्ष पूर्व चेत्र शुक्ला त्रयोदशी संवत 1872 में बांधा में गिरधारी की तलायी का निर्माण करवाया गया। पिछले 209 वर्ष से बांधा एरिया के रहवासियों और मवेशी के जल पीकर प्यास बुझाने का स्त्रोत्र गिरधारी की तलाई है। तलाई का घाट 2014 में मनरेगा के अंतर्गत बांधा पंचायत द्वारा बनवाया जा चुका है तलाई के मध्य खेजड़ी के दो विशाल पेड़ है। पिछले कुछ वर्षों से गिरधारी तलाई के कैचमेन्ट एरिया में अतिक्रमण बढ़ ने से बरसाती पानी का मार्ग बंद होने लगा है उसी वजह से वर्तमान में तलाई में पानी की कमी है। सरहद पर बसे शाहगढ़, बांधा, खुईयाला की मवेशी को पेयजल की समस्या होने लगी है। उपनिवेशन विभाग और जिला प्रशासन को गिरधारी तलाई के कैचमेन्ट एरिया में हो रहे अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही करनी चाहिये ताकि एरिया में पानी की समस्या से 365 दिन निजात मिल सके।

रेगिस्तान में कमरे को बना दिया कश्मीर, खिला दिए केसर के फूल

बीकानेर में एक युवा किसान सुनील जाजड़ा ने अनोखा प्रयोग कर फसल उगाई

बीकानेर, (कासं)। कश्मीर जैसे ठंडे प्रदेश की फसल केसर अब यहां भी उगने लगी है। दरअसल बीकानेर में एक युवा किसान सुनील जाजड़ा ने अनोखा प्रयोग कर केसर की फसल को उगाया। अब वे लाखों रुपए का मुनाफा कमा रहे हैं। उन्होंने एयरोपोनिक्स तकनीक से तैयार किए गए एक कमरे में ही केसर को उगा दिया।

सुनील ने बताया कि उन्होंने करीब 6 लाख रुपए का निवेश किया था। हालांकि ये सभी निवेश स्थाई सामान पर था। ऐसे में अब उन्हें और खर्ची करने की जरूरत नहीं रही। उन्होंने बताया कि पहली बार बीज खरीदकर लाने पड़े थे। अब वे भी नहीं लाने पड़ेंगे, बल्कि कई गुना बीज हर साल तैयार होते रहेंगे। अब सिर्फ एयरोपोनिक्क तकनीक के तैयार किए कक्ष में तापमान और आवश्यक नमी मेंटेन रखने और फूलों को खिलने के लिए जरूरी यूवी (अल्ट्रावॉयलेट) रोशनी पर खर्च होने वाली बिजली ही लगेगी। ऐसे में एक कमरे में सालाना करीब दस लाख रुपए तक आय होने लगी।

स्नातकोत्तर तक शिक्षित और किसान के बेटे सुनील जाजड़ा बीकानेर के चोपड़ाबाड़ी, गंगाशहर क्षेत्र में रहते हैं। अप्रेल 2020 में लॉकडाउन के दौरान उनका टायरों का शोरूम बंद हो गया, तब एक वीडियो देख केसर की खेती करने का विचार आया। साल 2021 में श्रीनगर गए। वहां केसर की खेती देखी और कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से बात की। फिर चार-पांच बार श्रीनगर जाकर किसानों से केसर की खेती के लिए तापमान और नमी की जानकारी जुटाई और बीकानेर आकर खेती शुरू की।

सुनील ने आईटी एक्सपर्ट सुनील पाणेचा की मदद से कमरे में श्रीनगर जैसा क्लाइमेट तैयार किया। चिंलिंग प्लांट, दीवारों पर थर्माकोल लगाकर कक्ष में लकड़ी के फ्रेम बनाए। इस तरह तीन साल की पूरी तैयारी के बाद अगस्त 2023 में कश्मीर से केसर के पौधे की बल्बनुमा जड़ यहां लाकर कक्ष में रखी। इसके बाद इनकी कपोल पर फूल खिलने के साथ केसर प्राप्त होनी शुरू हो गई। यह लहसुन और प्याज की तरह उग रहे हैं। सुनील अगस्त महीने में इनको निकालेंगे और एयरोपोनिक तकनीक से तैयार वातानुकूलित कक्ष में ट्रे में रख देंगे। जहां फूलों को खिलाने के लिए यूवी रोशनी के लिए एलईडी भी लगी है। कक्ष में सितम्बर और अक्टूबर में रहने के बाद नवम्बर में केसर के फूल खिल जाएंगे।

राशिफल रविवार 5 मई, 2024

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2081, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र रात्रि 7:57 तक, वैद्यृति योग प्रात: 7:36 तक, कौलव करण प्रात: 7:10 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-मीन, मंगल-मीन, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मेष, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज राजयोग सूर्योदय से सांय 5:42 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 7:57 तक है। आज प्रदोष व्रत, वैद्यृति पूण्यं, पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:28 से 9:06 तक, लाभ-अमृत 9:06 से 12:23 तक, शुभ 2:02 से 3:40 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:49, सूर्यास्त 6:58

मेष
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

धनु
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। पारिवारिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी।

वृष
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। महत्वपूर्ण कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। यात्रा शुभ रहेगी।

कन्या
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिजनों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों को उचित सफलता मिलेगी। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

तुला
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कुंभ
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज परिवार में धार्मिक-मांगलिक आयोजन हो सकते हैं।

कर्क
धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

वृश्चिक
परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

मीन
महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या से राहत मिल सकती है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।